विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान 2015-16

उद्देश्य :

विश्व में प्रत्येक देश अपनी संस्कृति, परम्पराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान-विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौंपने का प्रयास करता है। भारत की महान् आध्यात्मिक संस्कृति, श्रेष्ठ परम्पराएं, जीवन-मूल्य, महापुरुषों के आदर्श जीवन-चरित्र तथा यहाँ का ज्ञान-विज्ञान इस देश की ही नहीं, विश्व की अमूल्य-निधि माने जाते हैं। परन्तु वर्तमान भारतीय शिक्षा पद्धति द्वारा अपनी इस अप्रतिम राष्ट्रीय निधि को भावी पीढ़ी को सौंपना तो दूर रहा, उससे परिचित कराने का कार्य भी नहीं हो पा रहा है। परिणामत: राष्ट्रीय स्वाभिमान-शून्यता एवं विदेशी संस्कृति के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति छात्रों में बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

हमारी यह दृढ़ मान्यता है कि यदि हमारे छात्रों को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ अपनी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन-चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परम्पराओं का परिचय कराया जाए तो आज के निराशापूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण उत्पन्न होकर विद्यार्थी जगत में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई देगा। इस निमित्त विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के द्वारा संचालित मुख्य गतिविधियाँ अग्रलिखित हैं : -

1. **संस्कृति बोध परियोजना**
   - क. संस्कृति ज्ञान परीक्षा (छात्रों के लिए) प्रदेश समिति द्वारा निर्धारित तिथि (14 दिसम्बर, 2015) के पश्चात।
   - ख. अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच- 28 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2015 तक गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में होगा।
   - ग. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (छात्रों की)– 12 सितम्बर 2015
   - घ. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (आचार्यों की) - दिनाँक 1 अगस्त 2015
   - ङ. आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा (प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा) - 12 दिसम्बर 2015
   - च. अखिल भारतीय प्रज्ञा परीक्षा - 12 दिसम्बर 2015
2. चित्र व साहित्य प्रकाशन एवं शैक्षिक सी०डी० आदि का निर्माण।
3. ज्ञान-विज्ञान मेला (विज्ञान प्रदर्शनी, प्रश्न मंच तथा पत्र वाचन), संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच, पत्रवाचन, वैदिक गणित प्रश्नमंच, पत्रवाचन एवं गणित विषयक प्रदर्शनी आदि)
4. विचार गोष्ठियों एवं शोध गोष्ठियों का आयोजन।

5. संगीत केन्द्र, संगीत आचार्य प्रशिक्षण एवं कला पर्व का आयोजन।
6. संवेदनशील एवं उपेक्षित क्षेत्रों में शिक्षा प्रसार के लिए आर्थिक सहायता करना।
7. लेह(लद्दाख) में संस्कृति केंद्र का संचालन।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा संस्कृति बोध माला का प्रकाशन किया गया है तथा इस पुस्तक माला के स्वाध्याय के आधार पर अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं प्रश्नमंचों का आयोजन किया जाता है।

'संस्कृति ज्ञान परीक्षा' का छात्रों एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा अप्रत्याशित स्वागत हो रहा है। परीक्षार्थियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होना ही परीक्षा की लोकप्रियता का प्रमाण है।

वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या
1983-84	55,200	01-02	10,61,787	11-12	16,49,229
90-91	2,10,248	08-09	15,22,791	12-13	17,12,946
99-00	7,47,551	09-10	15,65,291	13-14	16,62,903
2000-01	8,92,273	10-11	16,64,691	14-15	18,28,337

प्रधानाचार्यों से निवेदन –

विद्या भारती अ.भा.शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध विद्यालयों के साथ राजकीय एवं अन्य विद्यालयों के छात्र भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं तथा यह मांग प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। अच्छा हो हम लोग भी अन्य विद्यालयों से सम्पर्क स्थापित करें तथा उन्हें इसके लिए प्रेरित करें। अपने विद्यालय में तो सभी भैया/बहिनों एवं आचार्य दीदियों के लिए इसे अनिवार्य रूप से लागू करना ही है। अत: अपने विद्यालय के कक्षा 4 से 12 तक के सभी भैया बहिन इस परीक्षा में सम्मिलित होने चाहिए।

परीक्षा प्रणाली –

कक्षा 4 से 12 तक प्रत्येक कक्षा के लिए अलग-अलग बोध माला पुस्तिकाएं निर्धारित की गई हैं। कक्षा अनुसार प्रश्न-पत्र इन्हीं पुस्तकों पर आधारित होते हैं। प्रश्नों की भाषा एवं रूप विविधता लिए हुए हो सकते हैं परन्तु मूलभाव और विषय-वस्तु पुस्तक पर आधारित होगी।

प्रत्येक कक्षा की पुस्तिका में भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई है। प्रत्येक पुस्तक में नौ पाठ हैं –

कार्यालय में शुल्क पहुंचने की हैं, इस विलम्ब शुल्क की सीमा 30 सितम्बर तक निश्चित है। इसके पश्चात् प्राप्त होने वाले परीक्षा शुल्क के साथ **रुपये 100.00 (एक सौ रुपये) प्रति विद्यालय विलम्ब शुल्क देय होगा।**

शुल्क प्रेषण –

भेजी जाने वाली राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा 'संस्कृति-ज्ञान परीक्षा' कार्यालय कुरुक्षेत्र के पते पर भेजी जाए। बैंकों की सूची मुखपृष्ठ के पीछे दी गई है। ड्राफ्ट 'संस्कृति ज्ञान परीक्षा' के नाम से ही बनवाएं। इस ड्राफ्ट में अन्य सामग्री के आदेश की राशि न जोड़ें। चैक स्वीकार नहीं होगा। **कक्षानुसार छात्र संख्या एवं वर्गानुसार आचार्य संख्या, नाम सूची सहित निर्धारित शुल्क एवं पते प्रपत्रों में भरकर शुल्क के साथ अवश्य भेजें। यह राशि ऑन-लाइन संस्कृति ज्ञान परीक्षा के खाता क्र॰ 535402010000301 यूनियन बैंक ऑफ इंडिया तथा 'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान' के खाता क्र॰ 30259005896 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में भी अपने स्थान पर ही सीधे जमा करवा सकते हैं। ऐसी स्थिति में बैंक जमा पर्ची (Pay-in-slip) तथा संगणक फार्म ई-मेल sgp@samskritisansthan.org पर अवश्य भेजें। राशि जमा करवाने के 3 दिन के बाद कुरुक्षेत्र कार्यालय से अपना रसीद क्रमांक अवश्य प्राप्त कर लें।**

विशेष - अन्य पुस्तकों या चित्रादि सामग्री हेतु अलग ड्राफ्ट ''विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान'' के नाम से बनाकर आदेश पत्र के साथ भेजें। अन्य प्रकाशन सामग्री को संस्कृति ज्ञान परीक्षा के धन के साथ सम्मिलित करके न भेजें। इससे परीक्षा सामग्री भेजने में विलम्ब हो जाता है।

परीक्षा केन्द्र –

शुल्क भेजने वाले विद्यालय ही परीक्षा केन्द्र रहेंगे तथा शुल्क भेजने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य, केन्द्राध्यक्ष रहेंगे।

परीक्षा प्रश्न-पत्र –

प्रश्नोत्तर पुस्तिकायें एवं उत्तर संकेत अलग-अलग पैकेट में भेजे जाएंगे परन्तु किसी भी स्थिति में प्रश्न-पत्रों को परीक्षा समय से पूर्व न खोला जाए। अन्दर रखे प्रश्न-पत्रों की संख्या पैकेट के ऊपर लिखी होगी जिसे अपने द्वारा भेजी गई संख्या से मिला लें तथा प्रश्नपत्र कम होने की स्थिति में तुरन्त परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को सूचित करें। यदि प्रश्न पत्र परीक्षा तिथि से 15 दिन पूर्व तक आपको प्राप्त नहीं होते तो परीक्षा कार्यालय को तुरन्त सूचना दें। मूल्यांकन हेतु विद्यालय के उपयोग की दृष्टि से 5 प्रतिशत प्रश्नोत्तरी एवं प्रश्नपत्र अधिक भेजे जाते हैं। इन्हें केवल मूल्यांकन हेतु प्रयोग करें।

1. मातृभूमि भारत, 2. पुत्ररूप हिन्दू समाज, 3. हिन्दू जीवन दृष्टि, 4. संस्कारों की पावन परम्परा, 5. हमारा गौरवशाली इतिहास, 6. वसुधैव कुटुम्बकम्, 7. भारतीय विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा, 8. सामान्य ज्ञान, 9. अणुव्रत

इन पाठों में कक्षा स्तरानुसार सामग्री का विस्तार किया गया है।

पुस्तक प्रेषण –

शुल्क प्राप्ति की तिथि के पश्चात् एक मास तक की अवधि के अन्दर पुस्तिकाएं केन्द्र पर भेज दी जाती हैं। पुस्तिका में प्रश्न तथा उनके उत्तर अत्यन्त रोचक ढंग से दिए रहते हैं, जिन्हें छात्र अत्यन्त सरलता से हृदयंगम कर लेते हैं। परीक्षा प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय होता है, प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पत्र पर ही निर्देशित रिक्त स्थान पर लिखने होते हैं।

परीक्षा शुल्क –

कक्षा चतुर्थी से द्वादशी तक सभी विद्यालयों के लिए **परीक्षा शुल्क 20.00 रुपये प्रति छात्र है।** इसमें से 2.00 रुपये प्रति छात्र की दर से विद्यालय में रखकर शेष राशि संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजनी है, **जिसके प्राप्त होने की अन्तिम तिथि 31 अगस्त 2015 है।** शुल्क एवं संख्या पत्रक दोनों एक साथ भेजें अन्यथा यहां से सामग्री भेजने में विलम्ब होगा।

बोधमाला पुस्तिका, प्रश्न-पत्र, प्रमाण-पत्र का शुल्क इसी राशि में सम्मिलित है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बोधमाला पुस्तिका 10.00 रुपये प्रति के हिसाब से उपलब्ध हो सकेगी।

- आपके द्वारा शुल्क में से अपने विद्यालय में 2.00 रुपये प्रति छात्र की दर से रखी गई राशि को **मूल्यांकन, डाक व्यय एवं पुरस्कार आदि पर ही व्यय करना है।** इस राशि का व्यय अन्य किसी मद पर नहीं होना चाहिए।
- केन्द्रीय कार्यालय में प्राप्त होने वाली राशि में से 1.00 रुपया प्रति छात्र प्रान्त को भेजा जाएगा जिसे संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए संपर्क एवं विस्तार हेतु किये जाने वाले प्रोत्साहन कार्य में प्रयोग किया जाना चाहिए। **इस राशि का प्रयोग प्रान्तीय मंत्री, संगठन मंत्री एवं संस्कृति बोध परियोजना के प्रान्तीय संयोजक के पारस्परिक विचार-विमर्श के आधार पर होगा।**

विलम्ब शुल्क –

परीक्षा शुल्क **31 अगस्त 2015** के पश्चात् 30 सितम्बर 2015 तक प्राप्त होने पर 50.00 रुपये प्रति विद्यालय विलम्ब शुल्क भेजना होगा। ये तिथियां कुरुक्षेत्र

परीक्षा तिथि –

यदि प्रान्तीय समिति उपयुक्त समझे तो परीक्षा का दिन दिसम्बर मास में होने वाली परीक्षाओं के साथ निश्चित करें। परीक्षा की तिथि एक क्षेत्र में एक ही होगी। इसका निश्चय क्षेत्र समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी सूचना क्षेत्रीय संयोजक सत्र के प्रारम्भ में संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेज देंगे। **नवम्बर मास तक परीक्षा तिथि की सूचना न मिलने पर क्षेत्रीय समिति के कार्यालय से ही पत्र-व्यवहार करें। परीक्षा की तिथि किसी भी अवस्था में 14 दिसम्बर 2015 से पूर्व न हो।**

मूल्यांकन –

उत्तर पत्रों का मूल्यांकन सामूहिक रूप से परीक्षा के तुरन्त पश्चात उसी दिन अथवा अगले दिन से ही केन्द्राध्यक्ष की उपस्थिति में किया जायेगा। इसके लिए समाज के सुयोग्य व्यक्तियों का सहयोग लिया जा सकता है। **अंक सूचियाँ तैयार कर लेने के पश्चात मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएँ भैया/बहिनों को वापस लौटा दें।**

परीक्षा तिथि से एक सप्ताह के भीतर प्राप्तांक सूची की एक प्रति केन्द्राध्यक्ष, संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजें तथा एक प्रति विद्यालय में ही रखें जिससे प्रमाण पत्र भरे जा सकें। एक ही केन्द्र पर अनेक विद्यालयों द्वारा परीक्षा दिए जाने की स्थिति में प्रत्येक विद्यालय की अंक सूची अलग-अलग बनाई जाए तथा केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं मोहर लगाकर परीक्षा कार्यालय को भेजी जाए।

प्रमाण पत्र –

45 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले भैया/बहिनों को **उत्तीर्णता** का तथा 45 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागी भैया/बहिनों को **प्रतिभागिता** प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण –

प्रधानाचार्य द्वारा अपने विद्यालय के छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण एवं कक्षानुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अथवा शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समारोहपूर्वक पुरस्कृत किया जाना चाहिए। यह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम अभिभावकों को आमंत्रित कर समारोह के रूप में हो।

सुझाव –

सभी प्रकार के सुझाव परीक्षा के पश्चात् केन्द्रीय कार्यालय कुरुक्षेत्र को

भेजें। परीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात परीक्षार्थियों की संख्या, उत्तीर्ण छात्रों की संख्या, अपने विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या, अन्य विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या की सूचना संलग्न **प्रपत्र** पर कुरुक्षेत्र एवं प्रान्तीय कार्यालय को अवश्य भेजें।

Sanskriti Jñāna Pariksha–English Version

To facilitate participation of English Medium Public Schools in Sanskriti Jñāna Pariksha, English version of these books is also available. Accordingly, examination is also held in English. Participation fee per student is Rs. 20/- for English medium books and examination. Please ensure that class-wise number of participating students and the fee @ Rs. 20/- per student is separately sent for getting books & question papers in English language. However, the same proforma may be used for sending your demand. If any Pradesh Samiti decides to get these books at State Office, it can be arranged accordingly. The question papers will also be sent to the same address.